

③ भाववाच्य- (Impersonal voice):-

जब किसी वाक्य में प्रयुक्त क्रिया न तो कर्ता के अनुसार प्रयुक्त हो और न ही कर्म के अनुसार प्रयुक्त हो बल्कि भाव के अनुसार प्रयुक्त हो, भाववाच्य कहलाता है-

जैसे- मुझसे धूप में चला नहीं जाता।
 नानी से बोला नहीं जाता।

उससे बँटा नहीं जाता।

नानी से सुनाया नहीं जाता।

राकेश से रहता नहीं जाता।

सर्दियों में नहाया नहीं जाता।

गर्मियों में खूब नहाया जाता है।

मुझसे कहा नहीं जाता।

विशेष-(i) भाववाच्य का प्रयोग हमेशा पुल्लिंग, एकवचन और अन्य पुरुष में ही किया जाता है।

विशेष-(ii) भाववाच्य हमेशा अकर्मक क्रियाओं का ही बनता है और कर्मवाच्य हमेशा सकर्मक क्रियाओं का ही बनता है तथा कर्तृवाच्य अकर्मक और सकर्मक दोनों प्रकार की क्रियाओं का बनता है।

वाच्य परिवर्तन:- ① कर्तृ वाच्य से कर्मवाच्य (Active Voice to Passive Voice)

कर्तृ वाच्य से कर्मवाच्य बनाने के महत्वपूर्ण नियम:-

- (i) → कर्ता कारक में करणा कारक के चिह्न 'से/के द्वारा' को जोड़ देते हैं।
- (ii) → वाक्य में प्रयुक्त कर्म को 'परसर्ग रहित' कर देते हैं।
- (iii) → वाक्य में प्रयुक्त क्रिया के लिंग व वचन कर्म के अनुसार प्रयोग कर देते हैं।

कर्तृ वाच्य

① शकेश पत्र लिख रहा है।

② कोहली मैच खेलने दुबड़ जा रहा।

③ भाई विपत्ति में मदद करता है।

④ पूजा खाना नहीं खा सकती।

⑤ अंजली गाना नहीं गा सकती।

⑥ बच्चे शोर मचाते हैं।

कर्म वाच्य

→ शकेश के द्वारा पत्र लिखा जा रहा है।

→ कोहली के द्वारा मैच खेलने दुबड़ जाया जा रहा।

→ भाइयों के द्वारा विपत्ति में मदद की जाती है।

→ पूजा से खाना खाया नहीं जाता।

→ अंजली से गाना गाया नहीं जाता।

→ बच्चों के द्वारा शोर मचाया जाता है।